(c) The report of the CAG does not hold him responsible for the cumulative losses refered to in part (a) above. However, the Controller of Accounts and Finance is allegedly involved in the import and sale of dry dates which is currently under regular investigation by the CBI.

भवन निर्माण सामग्री के मूल्यों में वृद्धि

2767. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 15 फरवरी, 1989 के "इंडियन एक्सप्रेस में "नो बिल्डिंग बक ऑफ को-आपरेटिव सोसाइटी फार थी डेज शीर्षक के अन्तर्गत छपे समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि हाल ही में भवन निर्माण सामग्री के मूल्यों में भारी वृद्धि हुई है;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस अतिरिक्त वृद्धि के कारण भवन निर्माण कार्य में भारी बाधा आने की सम्भावना है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार ने भवन निर्माण सामग्री के मूल्यों में वृद्धि को रोकने हेतु इस सम्बन्ध में कोई कारगर कदम उठाए हैं?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दामोदर सिंह) : (क) से (घ) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभा पटल पर रख दी जायेगी।

(i) मार्च 85 से नवम्बर 87 तक
(ii) दिसम्बर 87
(iii) मार्च, 88
(iv) जनवरी, 89

इस्पात के मूल्यों में वृद्धि

2768. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) यह सच है कि गत कई वर्षों के दौरान इस्पात के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि के बावजूद, सरकार ने इस वर्ष भी इस्पात के मूल्यों में वृद्धि की है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस्पात के मूल्यों में यह वृद्धि कोयले के मूल्यों, बिजली की दरों और परिवहन लागत में भारी वृद्धि के कारण की गयी है;

(ग) वर्तमान मूल्य वृद्धि से पहले, गत तीन वर्षों के दौरान कितनी मूल्य वृद्धि की गयी थी; और

(घ) उपरोक्त प्रत्येक कारण की वजह से इस्पात के उत्पादन पर कितना वित्तीय बोझ डाला गया है?

इस्पात और खान मंत्री (श्री साहब राम फोलेदार) : (क) और (ख) कोयला के मूल्यों, विद्युत दरें, भाड़े की दरों और रेलवाड़ शुल्क तथा अन्य करों जैसे आदानों की लागत में वृद्धि होने के कारण संयुक्त संसद समिति द्वारा इस्पात के मूल्यों में वृद्धि करनी पड़ी।

(ग) उपभोक्ता की औसत के आधार पर इस्पात की विभिन्न श्रेणियों के मूल्यों में वृद्धि निम्नानुसार है :—

कोई वृद्धि नहीं।
520 रुपये से 3220 रुपये प्रति टन के बीच वृद्धि।
(तथापि, .5, .4, और .35 मि. मी. आकार की जस्ती सादी/जस्ती नालीदार चादरों के मूल्यों में वास्तव में क्रमशः 990 रु., 1670 रु. और 1670 रु. प्रति टन के हिसाब से कमी की गई थी।
20 रुपये से 45 रुपये प्रति टन के बीच वृद्धि।
300 रुपये से 1650 रुपये प्रति टन के बीच वृद्धि।